<u>भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण</u>

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

अन्तरराष्ट्रीय नागर विमानन मंत्रालय

एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र

नागर सैन्य सहयोग

क्षेत्रीय सम्मेलन

19 से 20 मई, 2016

<u>नई दिल्ली- 20 मई, 2016 :</u> अन्तरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र नागर सैन्य सहयोग का दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन 19-20 मई, 2016 को रेडिसन ब्लू होटल, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ । इस सम्मेलन में बैंकाक स्थित इकाओ एपीएसी कार्यालय, बेजिंग के क्षेत्रीय उप कार्यालय, यूगांडा, इंडोनेशिया, मलेशिया तथा भारत के नागर व सैन्य प्रतिनिधियों के कुल 130 प्रतिनिधियों ने भाग लिया । इसका उदघाटन महानिदेशक, नागर विमानन, भारत, श्रीमती एम. सत्यवती, आई ए एस ने किया । सम्मेलन के दौरान केन्द्र तथा राज्य विमान प्रचालकों के सैन्य बलों तथा नागर विमानन नियामकों व ए एन एस पी के मध्य दीर्घकालिक सात दशकों के सुदृढ़ संबंधों पर चर्चा हुई । अपने स्वागत भाषण में सदस्य ए एन एस ने वायु दिक्चालन सेवा प्रदाता (ए एन एस पी) के रूप में भाविप्रा की उपलब्धियों तथा नागर सैन्य सहयोग में मध्यस्थ की भूमिका पर प्रकाश डाला । श्री एस. रहेजा, अध्यक्ष भाविप्रा इस अवसर पर विशिष्टि अतिथि थे ।

इकाओ एशिया प्रशांत महासागर आर ओ-ए टी एम लेन विक्स ने सम्मेलन के लक्ष्य तथा उद्देश्य निर्धारित किए और कहा कि भारत ने नागर सैन्य सहयोग में सराहनीय भूमिका निभाई है और इकाओ ए पी ए सी कार्यालय उत्कृष्ट प्रगतिशील कार्य की प्रशंसा करता है । उन्होंने बताया कि वायुक्षेत्र के लचीले प्रयोग पर नियमावली के जेनेरिक टेम्पलेट की इकाओ ए पी ए सी प्रशंसा करता है । इस टेम्पलेट को क्षेत्र में अन्य राज्यों के लिए मॉडल दस्तावेज के रूप में दर्शाया गया ।

श्री एस. रहेजा ने अपने विशेष सम्बोधन में इस बात पर बल दिया कि देश में उत्कृष्ट नागर सैन्य सहयोग के कारण कंडीशनल रूट्स सहित अनेक नए ए टी एस रूट बनाए गए हैं ।

.....

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत विवरण के लिए कृपया संपर्क करें:
महाप्रबंधक (ज.सं.) 9811521881, 011-24622787

सं. 10/2016-17

श्रीमती एम. सत्यवती, आई ए एस, महानिदेशक, नागर विमानन, 19-20 मई, 2016 को रेडिसन ब्लू होटल, नई दिल्ली में हुए दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन एशिया पैसेफिक नागर सैन्य सहयोग क्षेत्रीय सम्मेलन में इकाओ एशिया पैसेफिक नागर सैन्य सहयोग तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए ।